

दिनांक	आदेश	आदेश के अनुसरण में जारी पत्र की संख्या व तिथि
	<p align="center">अपील संख्या : 1959 / 2012</p> <p>अपीलकर्ता प्रत्यर्थी :</p> <p>श्री अशोक कुमार, पूर्व श्री लालाबान्द आधावाल, निरवासी रेवदर हाउसील रेवदर जिला सिरोही (राज.)</p> <p>प्राम पंचायत, रेवदर, जिला सिरोही (राज.)</p> <p>अपील अन्वार्गत शूदना का अधिकार अधिनियम, 2005</p> <p align="center">निर्णय</p> <p align="right">दिनांक : 06-06-2013</p> <p>अपीलर्थी अनुप्रियत : प्रत्यर्थी पक से श्री हृगच्छिंह देवका चपस्थित, जिनका तर्क यह कि शूदना के लिए अपीलर्थी लिखावद व्यक्ति भी होने से एवं प्रदृढ़ बासियों की सुधन्य के बाबत एकात्म घेने से नहीं की चाही। वे अपील प्रावधानी पर एवं समस्त अभिलेखों का अवलोकन किया। अपीलर्थी ने दिनांक 03-01-1996 से दिनांक 15-02-2012 तक पैचायत द्वापर विधायकी यर व निष्पुल पट्टों की प्रति वाक्ता है। ने प्रत्यर्थी के तर्क से सहजत है कि तुरीय पक्षीय पट्टों की प्रति के दुसरपक्षीय की सम्बादनार्थी को देखते हुए दिया जाना सीधा ठिक ठिक नहीं है। परन्तु प्रत्यर्थी ने किन-किन व्यक्तियों को उक्त पट्टों दिए गए हैं, उनकी सूची उपलब्ध कराने में कोई प्रतिक्रिया नहीं है। अब उपर्युक्त अपील, जाहिल काम से रक्षाकार की जाकर प्रत्यर्थी को निर्देश दिए जाते हैं कि वह इस आदेश प्राप्ति के 21 दिनों में उपरोक्त अभिलेखों को आधार पर पट्टों की कुल सूची बनाकर निष्पुल प्रारिदृश्यकूल आक से अपीलर्थी को नियमानुसार भुग्नियत करवें। आदेश की प्रति उम्मी पक्ष को प्रेषित है। मेरे हत्ताकाड़ एवं आशोग की ओहर लगाकर आज दिनांक 06-06-2013 को निर्णय किया गया।</p>	(टी. शीनिवासन) मुख्य शूदना आयुक्त